Harassment of Passengers

4291. Shri Dighe:
Shri Kamble:
Shri Mukane:
Shri B. D. Deshmukh:

Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that certain passengers, male and female, were harassed by a group of students travelling by the Khandwa-Kacheguda passenger train between Hingoli and Dhamni on the 16th March, 1966;

(b) whether there was also a case of molestation of a girl in the train;

(c) whether it is a fact that the Railway staff could not give any protection to the aggrieved passengers; and

(d) whether any enquiry has been made in the matter and if so, the result thereof?

The Minister of State in the Ministry of Railways (Dr. Ram Subhag Singh): (a) A passenger had reported to the train guard of train No. 581 (Khandwa-Kacheguda passenger train) of 16th March, 1966 at Basmat Nagar that some students had thrown out his turban and were not allowing him to enter the compartment in which he was travelling from Hingoli.

(b) No such incident was reported.

(c) A G.R.P. Constable was asked by the train guard to help the passenger, who accompanied him in the train.

(d) Does not arise.

रेलवे के कैरेज खलासियों को ऊनी वर्दियां

4292. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे के कैरेज खलासियों को अब ऊनी वर्दियां देना बन्द कर दिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो कब से ; और

(ग) इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी नहीं। ऐसा सिर्फ दक्षिण-पूर्व रेलवे के कुछ मण्डलों में और अस्थायी रूप से पश्चिम रेलवे पर किया गया है।

(ख) 1965-66 की सर्दियों से।

(ग) समूची रेलवे के आधार पर किये गये मानकीकरण के अनुसार दक्षिण-पूर्व रेलवे के खड़गपुर, खुर्दा रोड और वाल्टेर मण्डलों को फिर से 'हमेशा गर्मी' वाले क्षेत्रों के वर्ग में रखा गया है। इसलिये इन मण्डलों में पहले जो ऊनी जर्सियां दी जाती थीं, उनकी सप्लाई बन्द कर दी गयी है।

खर्च में किफायत बरतने के उद्देश्य से जनवरी, 1966 में रेलों को यह हिदायत जारी की गयी है कि यदि फरवरी, 1963 में किये गये मानकीकरण से पहले के पोशाक विनियम अपेक्षाकृत कम उदार हो, तो उन्हें ही चालू रखा जाये। इसे देखते हुए पश्चिम रेलवे में ऊनी जर्सियों का देना बन्द कर दिया गया है। फरवरी, 1963 में पोशाकों का मानकीकरण हो जाने से पहले पश्चिम रेलवे के कैरेज खलासियों को जर्सियां नहीं दी जाती थीं।

रेलवे के संग-चल कर्मचारियों के लिए वर्दियां

4293. श्री हुकम चन्द कछवाय : या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे के संग-चल कर्मचारियों को मिलने वाली वर्दियों की संख्या कम कर दी गई है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि पहले उन को प्रति वर्ष चार कोट तथा चार पैंट मिलती थीं परन्तु अब घटा कर केवल तीन कोट और तीन पैंट ही दी जाती हैं ; और